ISSN 2454-2725
Peer Reviewed Journal

111
जुलाई 2024

अंतरराष्ट्रीय मासिक पत्रिका

# जनकृति

IPI Value (2.65)

www.jankriti.com

संपादक: डॉ. कुमार गौरव मिश्रा

# जनकृति

**अंतरानुशासनिक पूर्व- समीक्षित द्विभाषी अंतरराष्ट्रीय मासिक पत्रिका**

**वर्ष 10, अंक 111** **जुलाई 2024**

**परामर्श मंडल**

डॉ. सुधा ओम ढींगरा, प्रो. करुणाशंकर उपाध्याय, प्रो. रमा, डॉ. हरीश नवल, प्रो. हरीश अरोड़ा, डॉ. प्रेम जन्मेजय, डॉ. कैलाश कुमार मिश्रा, प्रो. शैलेन्द्र कुमार शर्मा, प्रो. कपिल कुमार, प्रो. जितेंद्र श्रीवास्तव प्रो. रत्नेश विश्वक्सेन

**संपादक**

डॉ. कुमार गौरव मिश्रा
(सहायक प्रोफ़ेसर, वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा, बिहार)

**सहायक संपादक**

प्रो. पुनीत बिसारिया
(प्रोफ़ेसर एवं अध्यक्ष, हिंदी विभाग, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश)

**संपादन मण्डल/विशेषज्ञ समिति**

डॉ. सदानन्द काशीनाथ भोसले (प्रोफ़ेसर एवं अध्यक्ष, हिंदी विभाग, सावित्रीबाई फुले पुणे विद्यापीठ , महाराष्ट्र)
डॉ. दीपेन्द्र सिंह जाड़ेजा (प्रोफ़ेसर एवं अध्यक्ष, हिंदी विभाग, महाराजा सयाजीराव बड़ौदा विश्वविद्यालय, वड़ोदरा)
डॉ. नाम देव (प्रोफ़ेसर, किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय)
डॉ. प्रज्ञा (प्रोफ़ेसर, किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय)
डॉ. रचना सिंह (एसोसिएट प्रोफ़ेसर, हिन्दू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय)
डॉ. रूपा सिंह (एसोसिएट प्रोफ़ेसर, बाबु शोभा राम गोवेरमेंट आर्ट कॉलेज, राजस्थान)
डॉ. पल्लवी (सहायक प्रोफ़ेसर, तेजपूर विश्वविद्यालय, असम)
डॉ. मोहसिन खान (प्रोफ़ेसर एवं अध्यक्ष, हिंदी विभाग, जेएसएम कॉलेज, रायगढ़, महाराष्ट्र)
डॉ. अखिलेश कुमार शर्मा (सहायक प्रोफ़ेसर, मिजोरम विश्वविद्यालय, मिजोरम)
डॉ. प्रवीण कुमार (सहायक प्रोफ़ेसर, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, मध्य प्रदेश)
डॉ. मुन्ना कुमार पाण्डेय (एसोसिएट प्रोफ़ेसर, सत्यवती कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय)
डॉ. चंद्रेश कुमार छतलानी (सहायक प्रोफ़ेसर, जेआरएन राजस्थान विद्यापीठ, राजस्थान)
डॉ. अंबिकेश त्रिपाठी (सहायक प्रोफ़ेसर, गांधी एवं शांति विभाग, महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
डॉ. ज्ञान प्रकाश (सहायक प्रोफ़ेसर, बिहार)

**संपादन सहयोग**

डॉ. चन्दन कुमार (दिल्ली)
डॉ. राकेश कुमार (दिल्ली)

**संस्थापक सदस्य**

कविता सिंह चौहान (मुंबई)
डॉ. जैनेन्द्र कुमार (बिहार)

**अंतरराष्ट्रीय सदस्य**

प्रो. अरुण प्रकाश मिश्रा (स्लोवेनिया), डॉ. इंदु चंद्रा (फ़िजी), डॉ. सोनिया तनेजा (स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी), डॉ. अनिता कपूर (अमेरिका), राकेश माथुर (लंदन), रिद्या (श्री लंका), मीना चोपड़ा (कैनेडा), पूजा अनिल (स्पेन)

जनकृति
जुलाई 2024

अव्यवसायिक
अंक 111, वर्ष 10

| | | |
|---|---|---|
| **सहयोग राशि** | : 60 रुपये ( वर्तमान अंक )<br>150 रुपये ( संस्थागत) | |
| **व्यक्तिगत सदस्यता** | : 800 रुपये (वार्षिक)<br>3000 रुपये (पंचवर्षीय)<br>5000 रुपये (आजीवन) | **(डिजिटल प्रति सदस्यता)** |
| **संस्थागत सदस्यता** | : 1200 रुपये (वार्षिक)<br>6000 रुपये (पंचवर्षीय)<br>10000 रुपये (आजीवन) | |
| **बैंक खाता विवरण** | : Account holder's name- Kumar Gaurav Mishra<br>Bank name - Punjab National Bank<br>Account type – saving account<br>Account no. 7277000400001574<br>IFSC code- PUNB0727700 | |
| **पत्र व्यवहार** | : फ्लैट- 401, वृंदावन अपार्टमेंट<br>फजलगंज, मंगलम होटल, ओल्ड जीटी रोड़, सासाराम, रोहतास, बिहार<br>पिन कोड: 821115, संपर्क- +918805408656 | |
| **नोट** | : प्रकाशित रचनाओं से संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है।<br>सम्पादन पूर्णतः अवैतनिक है। | |
| **ध्यानार्थ** | : अकादमिक क्षेत्र में शोध की गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप जनकृति में शोध आलेख प्रकाशित किए जाते हैं। शोध आलेखों का चयन विभिन्न क्षेत्रों के विषय विशेषज्ञों द्वारा किया जाता है, जो विषय की नवीनता, मौलिकता, तथ्य इत्यादि के आधार पर चयन करते हैं। इसके अतिरिक्त पत्रिका में साहित्यिक रचनाएँ, वैचारिक लेख, साक्षात्कार एवं पुस्तक समीक्षा भी प्रकाशित होती है। जनकृति के माध्यम से हम सृजनात्मक, वैचारिक वातावरण के निर्माण हेतु प्रतिबद्ध है। | |

JANKRITI
Interdisciplinary Peer-Reviewed Bilingual International Monthly Magazine
Editor: Dr. Kumar Gaurav Mishra
Language: Bilingual (Hindi & English)
Publisher: JANKRITI
ISSN: 2454-2725

 ISSN 2454-2725

# संपादकीय

आप सभी पाठकों के समक्ष जनकृति का जुलाई 2024 सयुंक्त अंक प्रस्तुत है। इस अंक में आप साहित्य, कला, सामाज, राजनीति इत्यादि से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर आधारित शोध आलेख, लेख पढ़ सकते हैं। इसके अतिरिक्त आप इस अंक में पुस्तक समीक्षा भी पढ़ सकते हैं।

जनकृति एक बहु-विषयक अंतरराष्ट्रीय मासिक पत्रिका है। यह पूर्ण रूप से विमर्श केन्द्रित पत्रिका है, जहां आप विभिन्न अनुशासन के नवीन विषयों को एकसाथ पढ़ सकते हैं। पत्रिका में एक ओर जहां साहित्य की विविध विधाओं में रचनाएँ प्रकाशित की जाती है वहीं नवीन विषयों पर लेख, शोध आलेख प्रकाशित किए जाते हैं। अकादमिक क्षेत्र में शोध की गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप शोध आलेख प्रकाशित किए जाते हैं। शोध आलेखों का चयन विभिन्न क्षेत्रों के विषय विशेषज्ञों द्वारा किया जाता है, जो विषय की नवीनता, मौलिकता, तथ्य इत्यादि के आधार पर चयन करते हैं। जनकृति के माध्यम से हम सृजनात्मक, वैचारिक वातावरण के निर्माण हेतु प्रतिबद्ध है।

**- डॉ. कुमार गौरव मिश्रा**

# जनकृति

**अंतरानुशासनिक पूर्व- समीक्षित द्विभाषी अंतरराष्ट्रीय मासिक पत्रिका**

**वर्ष 10, अंक 111** **जुलाई 2024**


## अनुक्रम


**संपादकीय4**

**कला-विमर्श**

भरतमुनि के नाट्यशास्त्र में नाट्यधर्मीताएं एवं नाट्यवर्जनाएं / रोहित आर्य 7

आजकल के जीवनीपरक हिन्दी फिल्मों में स्त्री जीवन : फिल्म ‘शकुंतला देवी’ और ‘पैडमैन’ के विशेष संदर्भ में / नेहा जॉनी 15

**दलित एवं आदिवासी -विमर्श**

Kolam Tribe: Challenges and Struggles of Unwed Motherswith Special Reference of Yavatmal District of Maharashtra/ Gunjan Singh, T.V. Kattimani 23

डॉ. अम्बेडकर का हास्य और व्यंग्य : दलित चेतना/ कुमारी अनीता 38

हिंदी दलित कविताओं में विद्रोही – चेतना/ कविता पासवान 45

**स्त्री-विमर्श**

नारी जीवन की पृथुल गाथा: 'मुट्ठी भर रोशनी'/ नेमी चन्द कुम्हार 52

**मीडिया-विमर्श**

सोशल मीडिया के युग में हिन्दी पत्रकारिता/ डॉ. कुमार कौस्तुभ 59

ब्रिटिश सरकार की नीतियाँ बनाम हिंदी प्रदीप/ डॉ. अरुण रंजन 68

**भाषिक-विमर्श**

वैश्वीकरण के परिप्रेक्ष्य में इंटरनेट और हिंदी का अवदान/ डॉ. सोमाभाई जी. पटेल 77

**शिक्षा-विमर्श**

ICT Resources for Teaching-Learning Process/ Dr. Dinesh Kumar Gupta 85

राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 और विकलांगता/ किसान गिरजाशंकर कुशवाहा 'कुशराज' 96

**सामाजिक-विमर्श**

आत्मनिर्भर ग्राम की संकल्पना में गांधीवादी मूल्यों का समावेशन / अभिषेक द्विवेदी 106

**राजनीतिक-विमर्श**

धार्मिक राजनीतिकरण से उपजता जन आक्रोश और अलगावादी शक्तियों पर अंकुश : आवश्यकताऐं, साधन और उपाय/ कविता अटवाल 117

**साहित्यिक-विमर्श**

हिन्दी उपन्यासों में चित्रित नागर जीवन: सामाजिक मूल्यों के संदर्भ में / ज्योति कुमारी 123
स्त्री आत्महत्याएँ और प्रेमचंद की कहानियाँ / तरुण कुमार 132
विकलांग विमर्श और प्रतिरोध की संस्कृति (विशेष सन्दर्भ: मुड़ के देखो मुझे)/ अमनप्रीत 142
रोहिणी अग्रवाल की आलोचनात्मक विश्वदृष्टि/ आशीष कुमार वर्मा 150
मानवीय संवेग और जीवनानुभव के अप्रतिम सौन्दर्य का काव्य / डॉ. धीरेन्द कुमार 160
महाभारत में नीति-तत्व और उनकी प्रासंगिकता/ सतीश कुमार भारद्वाज 168
नई सदी की हिंदी कविता में पर्यावरणीय चेतना/ मनीषा कुमारी, वीरेंद्र सिंह 176
और कितने टुकड़े : विभाजन के दर्द की अन्तःसलिला/ प्रियनाथ कुमार 191
निराला के निबन्धों में अन्तर्निहित समाज जागरण का भाव/ वीरेन्द्र साहू 199
'जयराम सिंह गौर' की कहानियों में ग्रामीण संवेदना एवं मूल्य – दृष्टि/ डॉ. रहीम मियाँ 209
ब्लाइंड स्ट्रीट : दृष्टिबाधित समाज के लोगों का जीवन-संघर्ष/ शिव देव प्रजापति 217
साहित्य और अर्थशास्त्र में परस्पर उपस्थित सृजनशीलता और उद्यमिता का अध्ययन (हिंदी साहित्य के भक्तिकाल का सन्दर्भ)/ डॉ० प्रकाशचंद भट्ट 224

**प्रवासी साहित्य**

हिन्दी प्रवासी साहित्य में चित्रित भारत/ डॉ. प्रियंका कुमारी 236
बसेरे से दूर छाया के साथ/ सदानन्द 245

**साहित्यिक रचनाएँ: पुस्तक समीक्षा**

जीवन के घनचक्करी सच्चाइयों की तलाश की कहानियाँ/ समीक्षक- चंद्रजीत शर्मा 254
समय का आईना : तुम तब आना काव्य संग्रह/ समीक्षक: डॉ.मधुलिका बेन पटेल 267
सहअस्तित्व की यथार्थ जीवनदृष्टि- आदिवासी कविता: चिंतन और सृजन/ समीक्षक- तेजस पूनियां 274